प्रेषक

े)सीठशमां •मुख सचिव

० सामान इस्तामान

रोक्स

, रणक

ारा भीय नागरिक सहस्यन निदशास्त्र

चरुआद्वापीठ हैंगर

ालेभाण्ड एअस्पार्ट, देहरादुन ।

न गरिक उड्डचन दिभाग

देहरादून दिनोंक 🖔 अगस्त 2007

विषय:-

विंग कमान्द्रर ग्रीवकेव सिंह, हैलीकॉन्टर प्रयक्तट की हिमागीय EC-135 P2 हैलीकॉन्टर पर निर्माता फर्म की परीक्षक द्वारा दिनांक 6-8-2007 से 15-8-2007 की बीच चेहरायून (भारत) में ग्राचण्ड प्रशिक्षण दिलाचे जाने विवयक।

मानाहरू

नामिता नियान पूर्व निर्मात शासना शि सहधा-23/1X(79)/कार्मिक/ प्रशिक्षण/2007-08, दिनीण रेड जन 2007 के कम पहुड़े यह कहन का निर्दश हुआ है कि विन कमाण्डर पीठकंठ सिंह, हैलीकॉप्टर पायलट नो विभागीय EC-135 P2 हैलीकॉप्टर पर उद्धान प्रांग्य बनाये जाने हेतु निर्माता फर्म मैठ यूरोकॉप्टर, जर्मनी कं नरेंग्राक दीना विभागीय विचान विभाग में विनाक 66-8-2007 से 15-8-2007 तक प्रांगक्षण प्रदाम किये जाने हेतु सम्बन्धित नेगाम पर्म क मनेवान को समये क्षित्र वाले की अनुमाते के साथ ही इस निर्माल वरीक्षक के द्वारा प्रशिक्षण हेतु शुक्त कम में विचान का समये किये जाने की अनुमाते के साथ ही इस निर्माल वर्षात विनिन्नय वर के अनुस्मा का कमने से दहसदून (मारा) आने-जाने हेतु देवल एवं द्वान्सपट (प्रमुखन का टिकट, टेक्सी, रेंटल कार) आदि पर मामाविक व्यव तत्व वर्षात वाल वर्षात वर्षा के देवल एवं द्वान्सपट (प्रमुखन के साथ प्रदान की जाती है कि व्यय से सन्यन्धित समस्त अपवारिकताव एवं प्रक्रियारों नियमानुसार पूर्ण कर ही गई ही।

2- प्रत्या के प्रतिक्रक द्वारा प्रतिक्षण के लग्न प्रस्ताचेन अधिसंख वे रक्षा नार्यका।

ा सम्बन्ध में होने जाला ब्याप अवस्ता विस्तीय वर्ष 2007-2006 वर आय-व्यायक पति जुनदान १९२५-२३ को अर्थन लेक्स्सीर्गड कड़3-नागर विभानस १० सामान्य ००३-प्रशिक्षण सथा शिक्स-आयोजनेत्वर १९५-मामरिम कर्इडम-१०-सुसंगठ गद-१४ पात्रा व्याय अथवा सुसंगत प्राथमिक ह्याइंग्रों के माने झाला खायेगा।

पट जानेत किस दिभाग के अक्षताकीय संख्या- 252/XXVII(7)/2007 दिगांक 03 अगस्त. इद्युप्त ने प्राप्त जनकी राहमति से दान्त क्षिये जा नहें हैं।

भवदीय,

(पीठसीठ रागी) प्रमुख सविव

1801 - [ / 1X (29)/2000 / 182 mm / 2007 - 00, 300 2007 20

प्राथमिक विकासिता को मुख्या एवं अध्यक्षण कार्यवाले हेतु बीचेत -

स्थार भारत सरकार नगर कियान मामाय / दिश्च महानय / दुर्शनानिक अकेवल वर्ड दिल्लीत

किल्ला कर एकारकार अवस्था महित सहका देखातुन।

विजना की जन आहरित कियों केवा कई दिल्ली।

अस्त्राचार अस्तावास व्यक्ति

150 agen-g

a प्राथमित अधिकार को नाम से ।

Classicka stirms

आहा हो

(या सीत शरी) है /

1000